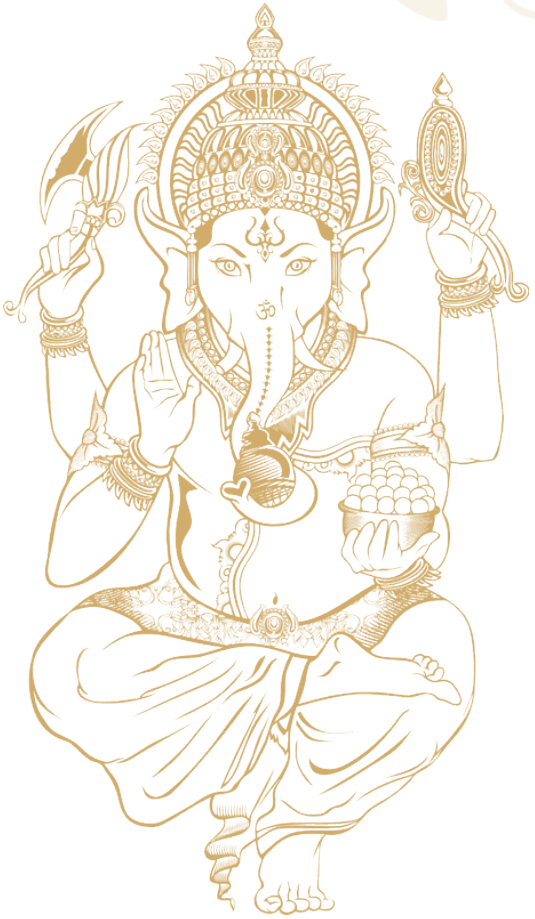

Kabeer Tripathi

20 Aug 2000

08:15 AM

Kanpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121731909

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**20/08/2000**
दिन	रविवार
जन्म समय	**08:15:00 घंटे**
इष्ट	06:19:25 घटी
स्थान	**Kanpur**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	26:27:00 उत्तर
रेखांश	80:19:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:08:44 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	08:06:16 घंटे
वेलान्तर	-00:03:20 घंटे
साम्पातिक काल	06:01:16 घंटे
सूर्योदय	05:43:13 घंटे
सूर्यास्त	18:40:22 घंटे
दिनमान	12:57:09 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	03:31:40 सिंह
लग्न के अंश	06:25:10 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अश्विनी - 1**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	गण्ड
करण	तैतिल
गण	देव
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	सिंह
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	चू-चूड़ामणि
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	06:25:10	323:38:39	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	बुध	---
सूर्य			सिंह	03:31:40	00:57:45	मघा	2	10	सूर्य	केतु	सूर्य	मूलत्रिकोण
चंद्र			मेष	00:15:00	13:04:26	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	केतु	सम राशि
मंगल			कर्क	18:24:28	00:38:25	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	बुध	नीच राशि
बुध		अ	सिंह	01:31:23	02:00:49	मघा	1	10	सूर्य	केतु	शुक्र	मित्र राशि
गुरु			वृष	14:48:07	00:07:15	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			सिंह	22:35:14	01:13:42	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	शनि	शत्रु राशि
शनि			वृष	06:37:49	00:02:28	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	बुध	मित्र राशि
राहु	व		कर्क	00:16:18	00:03:58	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	चंद्र	शत्रु राशि
केतु	व		मक	00:16:18	00:03:58	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	राहु	शत्रु राशि
हर्ष	व		मक	24:37:54	00:02:21	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	---
नेप	व		मक	10:42:31	00:01:28	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
प्लूटो	व		वृश्चि	16:17:26	00:00:02	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	---
दशम भाव			मिथु	06:25:34	--	मृगशिरा	--	5	बुध	मंगल	चंद्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:51:42

लग्न-चलित

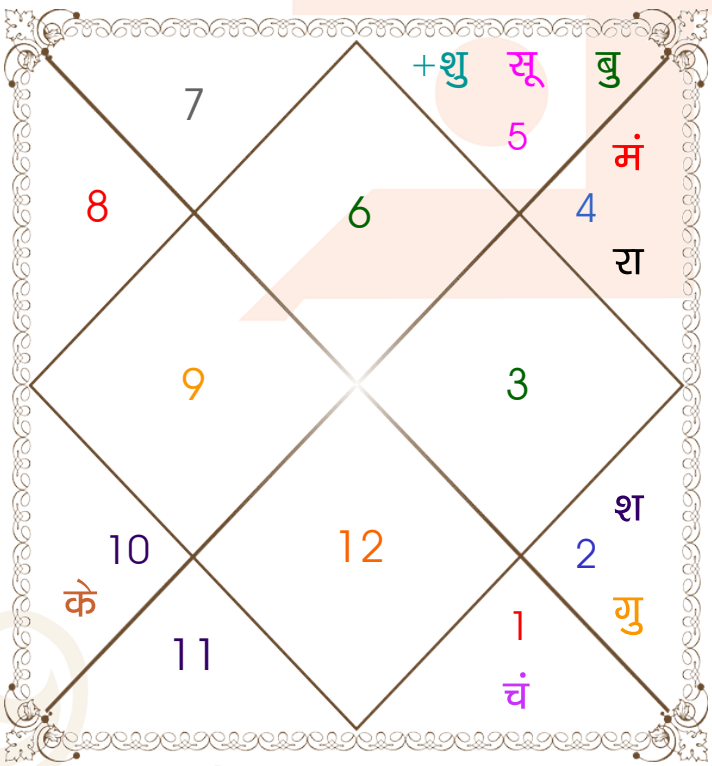

चन्द्र कुंडली

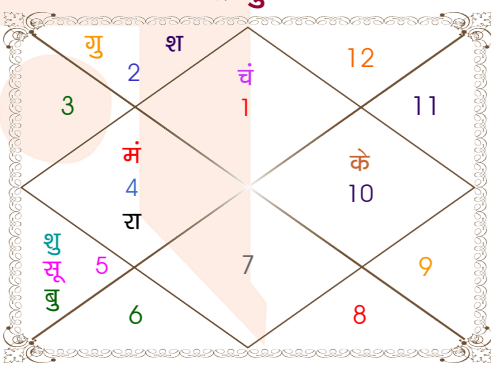

नवमांश कुंडली

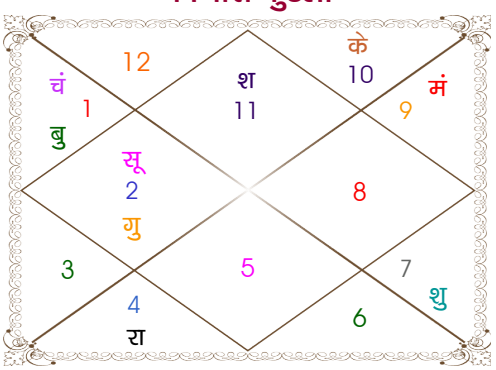

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 6 वर्ष 10 मास 12 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
20/08/2000		04/07/2007		04/07/2027		03/07/2033		04/07/2043	
04/07/2007		04/07/2027		03/07/2033		04/07/2043		03/07/2050	
केतु	29/11/2000	शुक्र	02/11/2010	सूर्य	21/10/2027	चंद्र	04/05/2034	मंगल	30/11/2043
शुक्र	29/01/2002	सूर्य	02/11/2011	चंद्र	21/04/2028	मंगल	03/12/2034	राहु	17/12/2044
सूर्य	06/06/2002	चंद्र	03/07/2013	मंगल	27/08/2028	राहु	02/06/2036	गुरु	23/11/2045
चंद्र	05/01/2003	मंगल	02/09/2014	राहु	21/07/2029	गुरु	02/10/2037	शनि	02/01/2047
मंगल	03/06/2003	राहु	02/09/2017	गुरु	10/05/2030	शनि	04/05/2039	बुध	30/12/2047
राहु	21/06/2004	गुरु	03/05/2020	शनि	22/04/2031	बुध	02/10/2040	केतु	27/05/2048
गुरु	28/05/2005	शनि	04/07/2023	बुध	26/02/2032	केतु	03/05/2041	शुक्र	27/07/2049
शनि	06/07/2006	बुध	04/05/2026	केतु	03/07/2032	शुक्र	02/01/2043	सूर्य	02/12/2049
बुध	04/07/2007	केतु	04/07/2027	शुक्र	03/07/2033	सूर्य	04/07/2043	चंद्र	03/07/2050

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
03/07/2050		03/07/2068		03/07/2084		05/07/2103		04/07/2120	
03/07/2068		03/07/2084		05/07/2103		04/07/2120		00/00/0000	
राहु	16/03/2053	गुरु	21/08/2070	शनि	07/07/2087	बुध	30/11/2105	केतु	21/08/2120
गुरु	09/08/2055	शनि	03/03/2073	बुध	16/03/2090	केतु	27/11/2106		00/00/0000
शनि	15/06/2058	बुध	09/06/2075	केतु	25/04/2091	शुक्र	27/09/2109		00/00/0000
बुध	02/01/2061	केतु	15/05/2076	शुक्र	24/06/2094	सूर्य	04/08/2110		00/00/0000
केतु	20/01/2062	शुक्र	14/01/2079	सूर्य	06/06/2095	चंद्र	03/01/2112		00/00/0000
शुक्र	20/01/2065	सूर्य	02/11/2079	चंद्र	05/01/2097	मंगल	30/12/2112		00/00/0000
सूर्य	14/12/2065	चंद्र	03/03/2081	मंगल	13/02/2098	राहु	20/07/2115		00/00/0000
चंद्र	15/06/2067	मंगल	07/02/2082	राहु	21/12/2100	गुरु	25/10/2117		00/00/0000
मंगल	03/07/2068	राहु	03/07/2084	गुरु	05/07/2103	शनि	04/07/2120		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 6 वर्ष 10 मा 12 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र के तृतीय चरण में, कन्या लग्न में हुआ था। आपके जन्म के समय मेदिनीय क्षितिज पर कन्यालग्न के साथ-साथ कुंभ राशि का नवमांश एवं कन्या राशि का ही द्रेष्काण लग्न भी उदित था। उपर्युक्त संयोजनों से यह संकेत प्राप्त हो रहा है कि आपकी प्रवृति धन संग्रह किया जाय, यह विषय महत्वपूर्ण नहीं है। इस प्रवृति को झुकाव का अन्तिम परिणाम क्या होगा। इसका कोई अर्थ नहीं है। अतः यह ज्ञात हो रहा है कि आपका लक्ष्य अपने धन्धों में सफलता प्राप्त करना है। किसी रूप में अपने लक्ष्य की ओर से विमुख हो जाना आपकी अर्कमण्यता प्रमाणित होगा, ऐसा समझते है। वास्तव में वह भगवान आपकी सहायता कर सकते हैं।

मुख्यतया आप अपने जीवन की 28 वें वर्ष की आयु से 31 वें वर्ष की आयु के मध्य पूर्णरूपेण सफल हो सकते हैं। जबकि आप बहुत प्रकार की वस्तुओं का लाभ प्राप्त करेगें। आप अपनी उदारतापूर्वक नीति एवं धनशील प्रवृति के कारण आनन्ददायक जीवन बिताने में सफल होंगे। आपकी आँखे आकर्षक हैं जिसके प्रभाव से आप विपरीत यानि के साथ आनन्द प्राप्त करेंगे। आपको अपनी दुबले पतले शारीरिक आकृति के प्रभाव से अनुकूल लाभ एवं श्रेष्ठता प्राप्त होगा। आपकी आकर्षक आँखे एवं दिलचस्प (बदलाव) हाव-भाव विपरीत यानि के प्राणियों के मध्य लोकप्रिय रहेगा।

आप वणिक प्रवृति के प्राणी है तथा आपका झुकाव व्यवसायिक ही रहेगा। आपके लिए योग्य सेवावृति अथवा व्यवसायों में व्यवसायिक लेखा-जोखा कार्य अथवा लेखा परीक्षण कार्य पसन्द करेंगे। परन्तु आप व्यवसायिक साहसिक कार्य जैसे सट्टेबाजी, शेयर क्रय-विक्रय में अपना धन लगाना चाहेंगे। आप सदैव पूर्ण सचेत रहकर अपनी लागत का किचिंत लाभांश भी निश्चित रूप से प्राप्त करना चाहेंगे। अतः आप अपनी धन राशि की सुरक्षा के प्रति सतर्क रहेंगे।

आप पूर्ण विद्वान एवं कुशाग्रबुद्धि के पुरूष है। आपकी बुद्धि तीक्ष्ण है एवं आप धन प्राप्ति हेतु, तत्पर रहेंगे। आप किसी भी परिस्थिति में जनसामान्य के साथ वैधानिकता निभाएंगे। जब लोग, सदैव आपकी त्रुटि पूर्ण भूमिका की प्रतिक्रयात्मक आलोचना करेंगे तब आपकी मनोदशा क्षीण एवं दुर्बल हो जाएगी।

आपको इस प्रकार के दृष्टिकोण में बदलाव लाना होगा-अन्यथा आप अनेक व्यक्ति को अपना शत्रु बना लेंगे। इस परिस्थिति में क्या आप उस परिस्थिति का सामना कर सकेंगे संभाल सकेंगे जबकि आपके मित्र और अधिनस्थ कर्मचारी आपको जन सामान्य की नजरों में नीचा दिखाएंगे तथा आप पर घृणित कलंक लगाकर आपके विरूद्ध आनन्दोलन प्रारम्भ कर देंगे।

आप उस समय वैवाहिक बंधन का अर्थ और महत्व के संबंध में पश्चाताप करोगे कि यह बंधन कैसा होता है। इस प्रकार की परिस्थिति प्रायः कन्या राशि गत व्यक्तियों के साथ अति संभाव्य है। क्योंकि वैवाहिक सम्बंध के प्रति सहज ही प्रवृत हो जाना इस राशिगत व्यक्तियों का स्वाभाविक गुण है। परन्तु इस परिस्थिति में विवाह करके नये परीन्दों को घर में लाना, अपनी प्रेमिका के प्रति एवं अपने अभिभावक के प्रति खेलवार करना प्रमाणित होता है। इस

प्रकार इस राशि का प्राणी किसी भी शर्त्त पर पत्नी का गुलाम हो सकता है।

परन्तु आपकी एक अच्छी पत्नी एवं सुव्यवस्थित बच्चे होंगे जो अपने जीवन में पूर्व विकास करेंगे।

आप हृष्ट पुष्ट रह कर अपने स्वस्थ्य जीवन का आनन्द अपनी पूरी आयु भर प्राप्त करेंगे। तथापि आपके लिए उत्तम तो यह है कि आप कुछ संभाव्य रोगादि के प्रति सतर्क रहें, जिसके प्रभाव से आप टायफायड, दस्त रोग, पीठ के दर्द अथवा रक्तचाप जैसी व्याधि का कुप्रभाव आपके जीवन पर पड़ सकता है। आप अपने अत्यधिक भोजन करने की प्रवृति पर कठोर नियंत्रण रखें तथा अतिरिक्त भोजन के रूप में शाकाहार ग्रहण करे। किसी भी परिस्थिति में मध्यपान न करें। अर्थात् शराब आदि नशीली पदार्थों को स्पर्श न करें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक का प्रभाव बहुत अच्छा रहेगा। आप अंक 1 एवं 8 अंक सर्वथा परित्याग करे।

आपके लिए रंग लाल, नीला एवं काला रंग है। इसका त्यागकर रंगों में पीला, सूआ पंखी, हरा और सफेद रंग का व्यवहार आपके लिए उत्तम है।